GEOGRAPHY

class-35
7/Mar/2025

भारत की प्रमुख मिट्टियाँ (ii)

➤ मिट्टी का अध्ययन :- पैडोलॉजी (Pedology)
(Study of Soil)

➤ 'भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) ने 1986 में बताया है कि भारत में 8 प्रमुख तथा 27 गौण मृदाएँ प्राप्त होती हैं
[Indian Council of Agricultural Research was told that 8 major and 27 minor soils are found in India.]

➤ भारत में 8 प्रमुख प्रकार की मिट्टियाँ पाई जाती हैं –

प ज ला का लै म

1. पर्वतीय मिट्टी (Mountain Soil)
2. जलोढ़ (Alluvial)
3. लाल (Red)
4. काली (Black)
5. लैटेराइट (Laterite)
6. मरुस्थलीय (Arid Soil)
7. अम्लीय व क्षारीय मिट्टी (Alkaline & Saline Soil)
8. दलदली मिट्टी (Peaty Soil)

जलोढ़ मिट्टी (Alluvial Soil)

➤ 43.4% भू भाग पर (Land Area)

➤ 15 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल पर पाई जाती है।
[Spread over an area of about 15 lakhs sq.km.]

➤ ये मिट्टियाँ नदियों द्वारा बहाकर लाई गई मिट्टियाँ हैं।
[They are deposited soil transported by river.]

➤ अधिकता (Rich in) :- 'पोटाश, चूना और जैविक पदार्थों की अधिकता'।
[Potash, Lime and organic matter.]

- कमी (poor in):– 'फास्फोरस, नाइट्रोजन और ह्यूमस की कमी।

➤ महानदी, गोदावरी, कृष्णा और कावेरी नदियों के डेल्टाओं में 'जलोढ़ मिट्टी' पाई जाती है।
[found in Deltas of Mahanadi, Godavari, Krishna and Kaveri rivers.]

➤ राज्य :– 'पंजाब से लेकर असम तक'
state [from Punjab in the west to the Assam in East.]

➤ मुख्य फसलें :- गेहूं, चावल, गन्ना, जूट, तिलहन फल'!
(Major Crops) [wheat, Rice, Sugarcane, cotton, Oilseeds, fruits.]

➤ जलोढ़ मिट्टी हल्के भूरे और राख जैसे रंग की है। (भूरे)
[Colour of Alluvial soil various from light grey to ash grey.]

➤ जलोढ़ मिट्टी को 'दोमट मिट्टी' और कछारी मिट्टी भी कहते है
(Also known as Domat soil and Kachhari soil)

➤ जलोढ़ मिट्टी दो प्रकार की होती है –
(i) बाँगर (Bangar) – पुरानी जलोढ़ मिट्टी (old alluvial soil)
(ii) खादर (Khadar) - नई जलोढ़ मिट्टी (New alluvial soil)

➤ जलोढ़ मिट्टी सबसे अधिक 'उपजाऊ मिट्टी' है।
[Alluvial soil is highly fertile soil.]

• लाल मिट्टी (Red Soil)

➤ 18.6% भू-भाग पर (land Area)

➤ Spread (फैली है) → 6.1 Lakh Sq. km

- यह मिट्टी कम उपजाऊ है।
  (This soil is in fertile)
- लाल रंग – 'फेरिक आक्साइड' की उपस्थिति के कारण
  (Red Colour – Presence of ferric oxide)
- अधिकता (Rich IN):– लोहा, चूना, एल्युमिनियम अत्यधिक मात्रा में
  [Iron, Lime or Aluminium]
- कमी (Poor IN):– 'नाइट्रोजन तथा फॉस्फोरस की कमी'।
  [Nitrozen & Phasphoras]
- मुख्य फसलें :– गेहूँ, दाल, तम्बाकू, ज्वार, बाजरा, तिलहन और आलू।
  (Major Crops) [Wheat, pulses, tobacco, jowar, Millets
  Oilseeds or potato.]
- राज्य (State) :– [Maharashtra, Tamilnadu, Karnatka,
  Andhrapradesh, Oddisha And Jharkhand.]

● लैटेराइट मिट्टी (Laterite Soil)

- 3.7 % भू भाग पर (Land Area)
- spread (फैली है) :– 1.26 Lakh Sq. km
- खेती के लिए उपयुक्त नहीं हैं।
  [Not suitable for Agriculture]
- खाद्य डालकर और सिंचाई करके कुछ फसलें इस मिट्टी में उगाई जा सकती हैं।
  [Some Crops can be grown when the soils are manured and irrigated.]

➤ कमी (Poor in) :- जैविक पदार्थ, नाइट्रोजन, फॉस्फोरस, कैल्शियम।
[Organic matter, Nitrogen, Phosphorus, Calcium

➤ अधिकता (Rich in) :- 'लौह आक्साइड और पोटाश' में (भरपूर है)
[Iron oxide and Potash]
(आयरन आक्साइड)

➤ मुख्य फसलें :- 'काजू, चाय, कॉफी, सुपारी, रबर, नारियल'।
(Major Crops) [Cashewnut, tea, coffee, nutmeg Rubber, Coconu

➤ यह मिट्टी उच्च तापमान और उच्च वर्षा वाले क्षेत्रों में विकसित होती है। (High temp.) (High Rainfall)

➤ state (राज्य) :- 'Tamil Nadu, Oddisha, ~~West Bengal~~, Western Ghat, or Meghalya.'